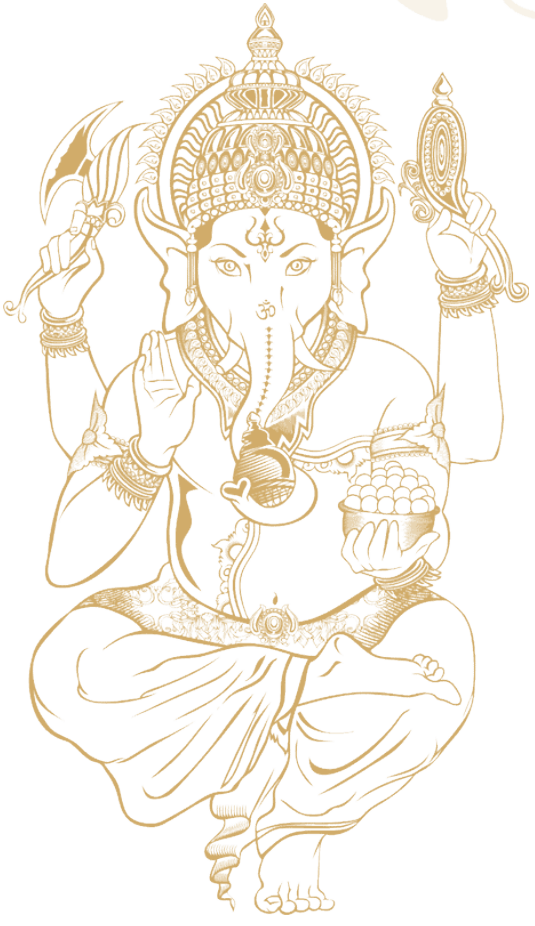

Parita kaushik

14 Oct 1983

12:16 PM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121832302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/1983**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:16:00 घंटे**
इष्ट	14:45:41 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:54:04 घंटे
वेलान्तर	00:13:49 घंटे
साम्पातिक काल	13:23:05 घंटे
सूर्योदय	06:21:43 घंटे
सूर्यास्त	17:54:11 घंटे
दिनमान	11:32:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:43:44 कन्या
लग्न के अंश	13:04:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:04:14	342:51:46	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कन्या	26:43:44	00:59:26	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			मक	01:47:27	11:56:19	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	15:11:43	00:36:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कन्या	15:12:06	01:42:53	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
गुरु			वृश्चि	15:20:14	00:10:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	12:15:33	00:46:05	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			तुला	11:34:44	00:07:05	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	24:08:55	00:00:53	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:08:55	00:00:53	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	12:58:05	00:02:49	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	---
नेप			धनु	03:11:13	00:01:09	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	05:28:03	00:02:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	28:50:03	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:32

लग्न-चलित

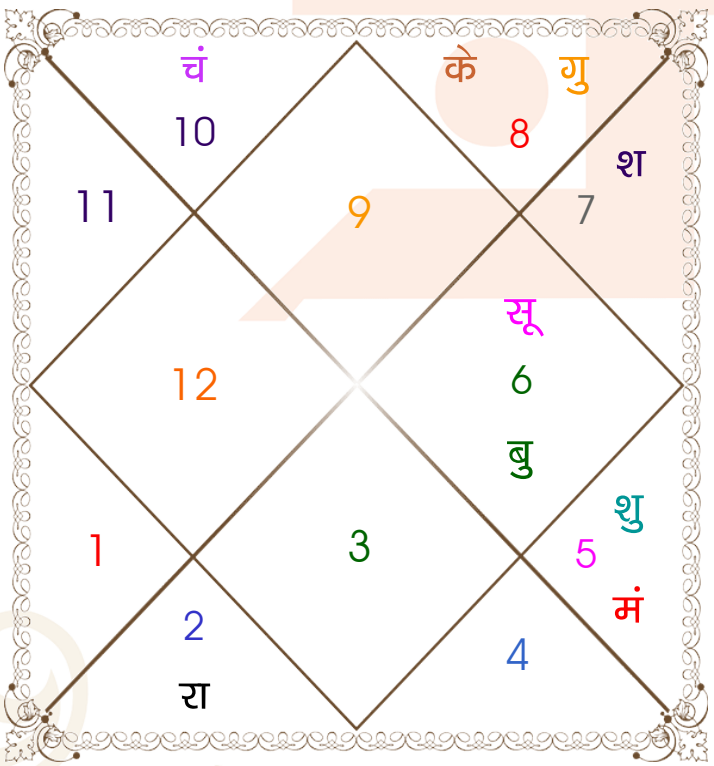

चन्द्र कुंडली

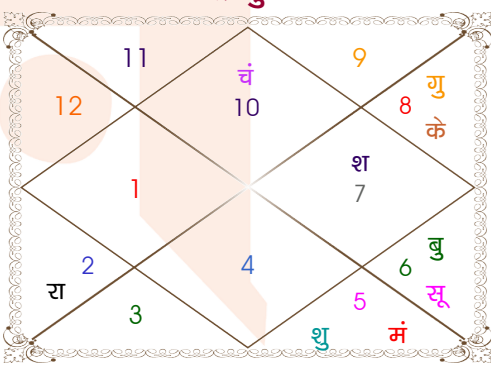

नवमांश कुंडली

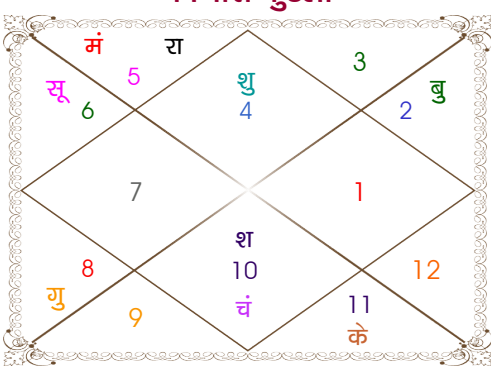

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 8 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/10/1983		24/06/1987		24/06/1997		24/06/2004		24/06/2022	
24/06/1987		24/06/1997		24/06/2004		24/06/2022		24/06/2038	
	00/00/0000	चंद्र	24/04/1988	मंगल	20/11/1997	राहु	07/03/2007	गुरु	11/08/2024
	00/00/0000	मंगल	23/11/1988	राहु	08/12/1998	गुरु	30/07/2009	शनि	23/02/2027
	00/00/0000	राहु	25/05/1990	गुरु	14/11/1999	शनि	05/06/2012	बुध	30/05/2029
	14/10/1983	गुरु	24/09/1991	शनि	23/12/2000	बुध	24/12/2014	केतु	06/05/2030
गुरु	30/04/1984	शनि	24/04/1993	बुध	20/12/2001	केतु	11/01/2016	शुक्र	04/01/2033
शनि	12/04/1985	बुध	23/09/1994	केतु	19/05/2002	शुक्र	11/01/2019	सूर्य	24/10/2033
बुध	16/02/1986	केतु	24/04/1995	शुक्र	19/07/2003	सूर्य	06/12/2019	चंद्र	23/02/2035
केतु	24/06/1986	शुक्र	23/12/1996	सूर्य	23/11/2003	चंद्र	06/06/2021	मंगल	29/01/2036
शुक्र	24/06/1987	सूर्य	24/06/1997	चंद्र	24/06/2004	मंगल	24/06/2022	राहु	24/06/2038

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/06/2038		24/06/2057		24/06/2074		24/06/2081		25/06/2101	
24/06/2057		24/06/2074		24/06/2081		25/06/2101		00/00/0000	
शनि	27/06/2041	बुध	20/11/2059	केतु	20/11/2074	शुक्र	23/10/2084	सूर्य	12/10/2101
बुध	06/03/2044	केतु	17/11/2060	शुक्र	20/01/2076	सूर्य	24/10/2085	चंद्र	13/04/2102
केतु	15/04/2045	शुक्र	18/09/2063	सूर्य	27/05/2076	चंद्र	24/06/2087	मंगल	19/08/2102
शुक्र	14/06/2048	सूर्य	24/07/2064	चंद्र	26/12/2076	मंगल	23/08/2088	राहु	14/07/2103
सूर्य	27/05/2049	चंद्र	23/12/2065	मंगल	24/05/2077	राहु	24/08/2091	गुरु	15/10/2103
चंद्र	27/12/2050	मंगल	21/12/2066	राहु	12/06/2078	गुरु	24/04/2094		00/00/0000
मंगल	05/02/2052	राहु	09/07/2069	गुरु	19/05/2079	शनि	24/06/2097		00/00/0000
राहु	12/12/2054	गुरु	15/10/2071	शनि	27/06/2080	बुध	25/04/2100		00/00/0000
गुरु	24/06/2057	शनि	24/06/2074	बुध	24/06/2081	केतु	25/06/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।